

汉魏六朝诗文精华

人民文学出版社

白日短，寒人知夜长。

秋风起兮白兰飞，各在天一方。

海内存知己，天涯若比邻。

君不见黄河之水天上来，奔流到海不复回。

且乐生前一杯酒，何须身后千载名。

老骥伏枥，志在千里。

今无新喜。

去去莫复道，西风吹老客。

向使不再生，高堂在梁东。

少壮不努力，老大徒伤悲。

人归落雁后，思发在猿前。

一身不自在，何况事两端。

归老犹馀几，去若朝露。

丈夫志四海，万里犹比邻。

无复长相思，去若朝露。

君不见黄河之水天上来，奔流到海不复回。

早知少年万事皆然，何须苦求死灰。

君不见黄河之水天上来，奔流到海不复回。

汉魏六朝诗文精华

(京)新登字 002 号

图书在版编目(CIP)数据

汉魏六朝诗文精华/人民文学出版社编辑部编选;刘崇德等注释.
-北京:人民文学出版社,2000.1
ISBN 7-02-003050-5

I. 汉… II. ①人…②刘… III. ①古典诗歌-作品集-中国-
汉代②古典散文-作品集-中国-汉代③古典诗歌-作品集
-中国-魏晋南北朝④古典散文-作品集-中国-魏晋南北朝
IV. I211.1

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (1999) 第 52242 号

责任编辑:管士光

人民文学出版社出版

(100705 北京朝内大街 166 号)

军事科学院印刷厂印刷 新华书店发行

字数 259 千字 开本 850×1168 毫米 1/32 印张 12.875 插页 2

2000 年 1 月北京第 1 版 2000 年 1 月北京第 1 次印刷

印数 1-5000

定价:16.00 元

汉魏六朝时期诗文佳作如林，名家大量涌现，为唐以后中国文学的发展奠定了坚实的基础，为了便于读者的阅读和吟诵，我们编选了这一册《汉魏六朝诗文精华》。本书由人民文学出版社编辑部编选，由国内一些著名的古典文学研究者注评。注释准确详明，评解言简意赅，是普及古典文学的优秀选本。

人 民 文 学 出 版 社

编 辑 部 编 选

人 民 文 学 出 版 社

写在前面的话

汉魏六朝是我国古代文学发展的重要历史阶段，这个时期，诗文佳作如林，名家大量涌现，为唐以后中国文学的发展奠定了坚实的基础。为了便于读者的阅读和吟诵，我们编选了这一册《汉魏六朝诗文精华》。

本书由人民文学出版社编辑部编选，由国内一些著名古典文学研究者注评。全书按诗选、文选分为二卷，卷一“诗选”由刘崇德先生注评，卷二文选由多人注评，具体情况如下：何建华先生注评《吊屈原赋》、《长门赋》、《归田赋》、《刺世疾邪赋》、《鸚鵡赋》、《登楼赋》、《洛神赋》、《思旧赋》、《海赋》、《芜城赋》、《月赋》、《别赋》；陈俊山先生注评《过秦论》、《论贵粟疏》、《七发》、《上吴王书》、《答客难》、《报任少卿书》、《西门豹治邺》、《座右铭》；许逸民先生注评《郭有道碑文》、《求自试表》、《归去来兮辞》、《登大雷岸与妹书》、《北山移文》、《谢灵运传论》、《玉台新咏序》、《哀江南赋序》；黄保真先生注评《与曹操论盛孝章书》、《与吴质书》、《与吴季重书》、《答伏义书》、《与山巨源绝交书》、《与陈伯之书》；周启成先生注评《让县自明本志令》、《自叙》、《五柳先生传》；费振刚先生注评《答谢中书书》、《与宋元思书》、《华山》；赵庆培先生注评《涉务》、《八月十四日》。

本书编选本着精中选精的原则，入选作品均为脍炙人

口的名篇，注释力求准确详尽，希望能帮助读者正确解读原作，评解文字尽量做到言简意赅，以启发读者从更深的层次上去把握诗文精华。由于水平所限，编选注释中难免会有不当之处，欢迎读者批评指正。

人民文学出版社编辑部

一九九九年九月四日

目 录

卷一 诗 选

| | |
|-------------|--------|
| 项 籍 | |
| 垓下歌 | (3) |
| 刘 邦 | |
| 大风歌 | (4) |
| 刘 彻 | |
| 秋风辞 | (5) |
| 苏 武? | |
| 诗四首 | (6) |
| 李 陵? | |
| 诗三首 | (10) |
| 班婕妤? | |
| 悲歌行 | (12) |
| 张 衡 | |
| 四愁诗 | (13) |
| 秦 嘉 | |
| 留郡赠妇诗 | (15) |
| 蔡 琰 | |
| 悲愤诗 | (16) |

无名氏

- 战城南 (21)
有所思 (22)
陌上桑 (23)
古八变歌 (26)
白头吟 (27)
艳歌行 (28)
上山采蘼芜 (29)
十五从军征 (30)
饮马长城窟行 (31)
江南 (33)
薤露 (33)
长歌行 (34)

古诗十九首(选六)

- 行行重行行 (35)
今日良宴会 (36)
西北有高楼 (37)
涉江采芙蓉 (38)
冉冉孤生竹 (39)
迢迢牵牛星 (40)

无名氏

- 焦仲卿妻 (41)

曹操

- 短歌行 (53)
观沧海 (55)
龟虽寿 (56)

| | | |
|---|------------------|------|
| | 蒿里行 | (57) |
| 曹 | 丕 | |
| | 燕歌行 | (58) |
| | 芙蓉池作 | (59) |
| 曹 | 植 | |
| | 白马篇 | (60) |
| | 野田黄雀行 | (62) |
| | 赠白马王彪(并序) | (63) |
| | 杂诗(其二) | (69) |
| 王 | 粲 | |
| | 七哀 | (70) |
| 刘 | 楨 | |
| | 赠从弟 | (71) |
| 阮 | 籍 | |
| | 咏怀(八十二首选五) | (72) |
| 嵇 | 康 | |
| | 答二郭 | (77) |
| 傅 | 玄 | |
| | 杂诗 | (79) |
| 张 | 华 | |
| | 门有车马客行 | (80) |
| | 轻薄篇 | (81) |
| 张 | 翰 | |
| | 思吴江歌 | (84) |
| 陆 | 机 | |
| | 赴洛道中作 | (84) |

| | | |
|-----|-------------------|--------|
| | 猛虎行 | (86) |
| 潘岳 | | |
| | 悼亡诗 | (87) |
| 左思 | | |
| | 咏史诗(八首选三) | (89) |
| 刘琨 | | |
| | 重赠卢湛 | (93) |
| 郭璞 | | |
| | 游仙诗(十四首选一首) | (95) |
| 孙绰 | | |
| | 情人碧玉歌 | (97) |
| 陶渊明 | | |
| | 归园田居(二首) | (98) |
| | 乞食 | (100) |
| | 移居 | (101) |
| | 饮酒(三首) | (102) |
| | 读山海经(二首) | (105) |
| | 咏荆轲 | (107) |
| 无名氏 | | |
| | 子夜四时歌(春歌) | (109) |
| 谢灵运 | | |
| | 登池上楼 | (110) |
| | 登江中孤屿 | (112) |
| | 石壁精舍还湖中作 | (113) |
| | 夜宿石门诗 | (114) |
| 颜延之 | | |

| | | |
|-----|------------------------------|-------|
| | 五君咏(五首选一)····· | (115) |
| 鲍照 | | |
| | 梅花落····· | (117) |
| | 拟行路难(十八首选二)····· | (118) |
| 陆凯 | | |
| | 赠范晔诗····· | (119) |
| 谢朓 | | |
| | 玉阶怨····· | (120) |
| | 王孙游····· | (121) |
| | 晚登三山还望京邑····· | (122) |
| | 暂使下都,夜发新林,至京邑, 赠西府同僚····· | (123) |
| 萧衍 | | |
| | 河中之水歌····· | (125) |
| 何逊 | | |
| | 咏早梅····· | (126) |
| 阴铿 | | |
| | 江津送刘光禄不及····· | (127) |
| 徐陵 | | |
| | 关山月····· | (128) |
| 无名氏 | | |
| | 西洲曲····· | (129) |
| | 苏小小歌····· | (131) |
| 庾信 | | |
| | 拟咏怀(二十七首选二)····· | (132) |
| | 寄王琳····· | (135) |

| | |
|-------------|-------|
| 重别周尚书 | (136) |
| 无名氏 | |
| 木兰诗 | (137) |
| 敕勒歌 | (140) |

卷二 文 选

| | |
|----------------|-------|
| 贾 谊 | |
| 吊屈原赋(并序) | (143) |
| 过秦论(上) | (146) |
| 晁 错 | |
| 论贵粟疏 | (154) |
| 枚 乘 | |
| 七发 | (159) |
| 邹 阳 | |
| 上吴王书 | (174) |
| 司马相如 | |
| 长门赋(并序) | (180) |
| 东方朔 | |
| 答客难 | (185) |
| 司马迁 | |
| 报任少卿书 | (191) |
| 褚少孙 | |
| 西门豹治邺 | (206) |
| 崔 瑗 | |
| 座右铭 | (210) |
| 张 衡 | |

| | | |
|---|-----------------|-------|
| | 归田赋 | (212) |
| 赵 | 壹 | |
| | 刺世疾邪赋 | (214) |
| 蔡 | 邕 | |
| | 郭有道碑文(并序) | (218) |
| 孔 | 融 | |
| | 与曹操论盛孝章书 | (224) |
| 祢 | 衡 | |
| | 鹦鹉赋(并序) | (228) |
| 曹 | 操 | |
| | 让县自明本志令 | (233) |
| 王 | 粲 | |
| | 登楼赋 | (239) |
| 曹 | 丕 | |
| | 自叙 | (242) |
| | 与吴质书 | (249) |
| 曹 | 植 | |
| | 与吴季重书 | (253) |
| | 求自试表 | (258) |
| | 洛神赋(并序) | (271) |
| 阮 | 籍 | |
| | 答伏羲书 | (277) |
| 嵇 | 康 | |
| | 与山巨源绝交书 | (282) |
| 向 | 秀 | |
| | 思旧赋(并序) | (293) |

陶渊明

五柳先生传 (296)

归去来兮辞(并序) (298)

木 华

海赋 (304)

鲍 照

登大雷岸与妹书 (314)

芜城赋 (322)

谢 庄

月赋 (327)

孔稚圭

北山移文 (332)

丘 迟

与陈伯之书 (341)

颜之推

涉务 (347)

江 淹

别赋 (349)

沈 约

谢灵运传论 (356)

陶宏景

答谢中书书 (367)

吴 均

与宋元思书 (368)

宗 懔

八月十四日 (370)

徐 陵

玉台新咏序 (371)

郦道元

华山 (385)

庾 信

哀江南赋序 (389)

卷一

诗 选

刘崇德 注评